भारतीय विद्यालय, डारसेट

कारतूस

प्रश्नोत्तर - कार्यपत्रिका

कार्यपत्रिका :	**नामः ----------**
शिक्षिका -बीना स्टीफन	**कक्षा - X B**
दिनांक : ----------	

	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए।	
प्र 1.	**वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?**	3
उ.	वज़ीर अली बहुत हिम्मती, दिलेर और बहादुर व्यक्ति था। उसके साहस के कारनामे लोगों की जबान पर थे। उसने कंपनी के वकील को उसके घर जा कर मार डाला था। ऐसे-ऐसे साहस-भरे किस्से सुनकर उसे रॉबिन हुड नाम के साहसी योद्धा की याद आ जाती थी ।	
प्र 2.	**सआदत अली कौन था? उसने वज़ीरअली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?**	3
उ.	सआदत अली अवध के नवाब आसिफुद्दौला का छोटा भाई था। इसलिए वही अवध का नवाब बनेगा। परंतु जैसे ही वजीर अली का जन्म हुआ, उसके सारे सपने दूर हो गए। उसे अपनी नवाबी खतरे में जान पड़ी। अतः उसने वजीर अली की पैदाइश को अपना मौत समझा।	
प्र 3.	**सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था ?**	3
उ.	सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का मकसद था । अवध के धन-संपत्ति पर अधिकार करना। सआदत अली अंग्रेज़ों का मित्र था। उसने अंग्रेज़ों को अवध की आधी संपत्ति दे दी। दस लाख रुपए नकद दे दिए तथा रंग-रेलियाँ मनाने के सारे सामान उपलब्ध करा दिया।	
प्र 4.	**कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीरअली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की?**	3
उ.	कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली ने आज़मगढ के जंगलों में छिपकर अपनी सुरक्षा की। वहाँ से वह आज़मगढ के सैनिकों की सहायता से घागरा	

	पहुँच गया। तब से वह गोरखपुर के जंगलों में छिपा हुआ है ।	
प्र 5.	**सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?**	3
उ.	सवार स्वयं वज़ीर अली था। कर्नल कभी यह आशा नहीं कर सकता था कि वज़ीर अली इतनी हिम्मत करते हुए उसके खेमे में चला आएगा। वज़ीर अली उसकी नज़रों में बहुत खतरनाक और हिम्मती व्यक्ति था । इसलिए उसके साहस को देखकर और पास खडी अपनी मौत को देखकर वह हक्का-बक्का रह गया।	
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए।	
प्र 1.	**लेफ़्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है ?**	3
उ.	लेफ़्टीनेंट ने कर्नल से जाना कि कंपनी के खिलाफ़ केवल वज़ीर अली ही नहीं है, बल्कि दक्षिण में टीपू सुल्तान और बंगाल के नवाब का भाई शमसुद्दौला भी उनके खिलाफ़ है। तीनों ने कंपनी के विरुद्ध अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को आक्रमण करने का निमंत्रण दिया था। इससे उसे आभास हुआ कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।	
प्र 2.	**वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया ?**	5
उ.	वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल दो कारणों से किया। पहला कारण यह कि उसने वज़ीर अली की शिकायत की। उसके शिकायत की ठीक-से सुनवाई नहीं की गई । उलटे उसे खरी-खोटी सुनाई। इससे वज़ीर अली के स्वाभिमान को गहरा धक्का पहुँचा। दूसरा कारण यह कि वज़ीर अली कंपनी सरकार से नफ़रत करता था। इन दोनों कारणों के जुड जाने से वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल कर दिया।	
प्र 3.	**सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किया?**	5
उ.	सवार स्वयं ही वज़ीर अली था। उसे कारतूस चाहिए थे। उसे पता था कि कर्नल कालिंज उसे पकडने के लिए अपनी फ़ौज के साथ जंगल में डेरा डाले हुए हैं। उसके पास कारतूस हैं। अतः वह बिना डरे कर्नल के डेरे में चला आया। उसने कर्नल के कमरे में एकांत में कर्नल से भेंट की। कर्नल ने सोचा कि वह सवार उसे वज़ीर	

	अली को पकडने में कुछ सहायता देगा। इसलिए उसने सवार के माँगने पर दस कारतूस उसे दे दिए।	
प्र 4.	**वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए।**	
उ.	वज़ीर अली सचमुच एक जाँबाज़ सिपाही था। वह बहुत हिम्मती और साहसी था। उसे अपना लक्ष्य पाने के लिए जान लगानी आती है। जब उससे अवध की नवाबी ले ली गई तो उसने अंग्रेज़ों के विरुद्ध संघर्ष करना शुरू कर दिया। उसने गवर्नर के सामने पेश होने को अपना अपमान माना और पेश होने से साफ़ मना कर दिया। गुस्से में आकर उसने कंपनी के वकील की हत्या कर डाली। यह हत्या शेर की माँद में जाकर शेर को ललकारने जैसी थी। उसके बाद वह आज़मगढ और गोरखपूर के जंगलों में भटकता गया। वहाँ भी निडर होकर अंग्रेज़ों के उस डेरे में घुस गया जो उसे पकडने के लिए बनाया गया था। वह कर्नल को ही जान से मारने की धमकी दे दिया। इन घटनाओं से पता चलता है कि वज़ीर अली सचमुच एक जाँबाज़ आदमी था	
	आशय स्पष्ट कीजिए।	
1.	मुट्ठी भर आदमी और ये दमखम।	3
उ.	इसमें वज़ीर अली की हिम्मत और बहादुरी की प्रशंसा की गई है। वज़ीर आली के पास थोड़े-से सैनिक थे। सामने खड़ा दुश्मन बहुत बड़ा था। फिर भी उसके साहस में कोई कमी नहीं थी। वह अंग्रेज़ों को खुलेआम चुनौती देता था। वह कंपनी के वकील की उसके घर में जाकर हत्या कर आया थी।	
2.	गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।	3
उ.	वज़ीर अली तूफ़ान की भाँति शक्तिशाली और गतिशील था। जब वह घोड़े पर सवार होकर अकेले चला आ रहा था तो उसके घोड़े की टापों से उठी धूल री परत इतनी अधिक थी कि मानो सैनिकों का एक बड़ा समूह तेज़ गति से भागा चला आ रहा हो। आशय यह है कि वह बहुत शक्तिशाली सैनिक था।	